Original Article
ISSN (Online): 2582-7472

ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts
April 2024 5(4), 981–986

A CRITICAL STUDY OF THE INFLUENCE OF THE FAMILY ENVIRONMENT AND SOCIAL AND ECONOMIC STATUS ON THE PERSONALITY OF BOYS AND GIRLS

किशोर एवं किशोरियों के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण का सामाजिक, आर्थिक स्तर के प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन

Himadri Sharma [1], Prof. Dr. Shivani Bhatnagar [2]

[1] Research Scholar, School of Education, Babu Banarasi Das University, Lucknow
[2] Professor, School of Education, Babu Banarasi Das University, Lucknow

DOI
10.29121/shodhkosh.v5.i4.2024.3574

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2024 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: Adolescence, also known as the spring season, is the most important stage of human life among the four main stages, which is also considered to be the basis for personality development of boys and girls. All types of mental powers, emotions and imagination develop rapidly in humans at this stage, which becomes the identity of human personality. Although, in the development of a child's personality, the thinking, education, ideals, values of their parents, their behavioural, economic, social environment, their values, their interpersonal relationship with the child, their personality traits, their emotional, social behaviour, likes-dislikes and character, their duties etc. all play an important role, but the two most important factors among these are the child's family environment and his socio-economic status, which are the foundation of his personality. Because a positive family environment and good socio-economic status make adolescents satisfied, social, value-oriented, idealistic, whereas a negative family environment develops negative qualities in adolescents. The presented research paper is a review paper in which an attempt has been made to understand the influence of family environment and socio-economic status on the personality of boys and girls by using a well-planned and systematic review method.

Hindi: वसंतकाल के नाम से विख्यात किशोरावस्था चार मुख्य अवस्थाओं में सबसे महत्वपूर्ण मानव जीवन की अवस्था है जिसे किशोर एवं किशोरियों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार भी माना, जाता है। मनुष्य में सभी प्रकार की मानसिक शक्तियो भावों तथा कल्पना का विकास इसी अवस्था तेजी से होता है जो मानव के व्यक्तित्व की पहचान बनता है। वैसे तो बालक के व्यक्तित्व के निर्माण में उनके माता-पिता की सोंच, शिक्षा, आदर्श, मूल्य, उनका व्यवहारिक, आर्थिक, सामाजिक वातावरण, उनके मूल्य, उनका बच्चे के साथ उनके पारस्परिक संबंध उनके व्यक्तित्व संबंधी गुण, उनका संवेगात्मक, सामाजिक व्यवहार, रूचि-अरूचि तथा चरित्र उनके कर्तव्य आदि सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है परंतु इनमें से सबसे महत्वपूर्ण दो कारक है बालक का पारिवारिक वातावरण तथा उसका सामाजिक-आर्थिक स्तर जो उनके व्यक्तित्व की नींव हैं। क्योंकि सकारात्मक पारिवारिक वातावरण एवं अच्छा सामाजिक-आर्थिक स्तर किशोरों को संतुष्ट, सामाजिक, मूल्यात्मक, आदर्शवादी बनाता है जबकि नकारारमक पारिवारिक वातावरण किशोरों में नकारारमक गुणों को विकसित करता है। प्रस्तुत शोध पत्र एक समीक्षात्मक शोध पत्र है जिसमे सुनियोजित व व्यवस्थित समीक्षा विधि का प्रयोग कर किशोर एवं किशोरियों के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण व सामाजिक आर्थिक स्तर के प्रभाव को जानने का प्रयास किया गया है।

Keywords: Adolescence, Socio-Environment, Socio-Economic Status, Values and Emotional Behaviour, कषोरावस्था, सामाजिक-वातावरण, सामाजिक-आर्थिक स्तर, मूल्य एवं संवेगात्मक व्यवहार

1. प्रस्तावना

मानव जीवन की चार मुख्य अवस्थाओं में से सबसे महत्वपूर्ण अवस्था किशोरावस्था मानी जाती है, जिसे मानव जीवन का वसंतकाल कहा जाता है यह काल मुख्य रूप से 12 से 19 वर्ष तक रहता है मनुष्य में सभी प्रकार की मानसिक शक्तियों भाव तथा कल्पना का विकास इसी अवस्था में तेजी से होता है। किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रभावित करते करने वाले दो मुख्य कारक– पारिवारिक वातावरण तथा उसका सामाजिक आर्थिक स्तर है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को पूर्णता है प्रभावित करते हैं। पारिवारिक वातावरण वह वातावरण है जो परिवार के सदस्यों से प्राप्त देखभाल, सहायता, शिक्षा की गुणवत्ता, मनुष्य के जीवन से प्रोत्साहन तथा विकास को प्रभावित करता है। मनुष्य में सभी प्रकार की मानसिक शक्तियों, भावों तथा कल्पना का विकास को किशोरावस्था में तेजी से होता है जिससे किशोर एवं किशोरियों का पारिवारिक वातावरण हुआ। उनका सामाजिक आर्थिक स्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ऐसे तो पारिवारिक वातावरण जीवन की प्रत्येक अवस्था में प्रभाव डालते हैं परंतु किशोरावस्था में इसे विशेष रूप से प्रभावित होती है। यदि मनुष्य को अच्छा और सकारात्मक वातावरण प्राप्त होता है तो उसका संज्ञानात्मक, शारीरिक, भावात्मक विकास तेजी से होता है अपितु नहीं। इसी प्रकार सामाजिक आर्थिक स्तर वह स्तर है जो न केवल व्यक्ति की आय बल्कि उसकी शैक्षिक संप्रति, व्यावसायिक प्रतिष्ठा और सामाजिक वर्ग की व्यक्तिगत धारणाओं को भी अपने में शामिल करता है। सामाजिक, आर्थिक स्तर बच्चों, युवाओं और परिवारों के जीवन काल में जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक मुख्य कारक है। इस प्रकार पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक–आर्थिक स्तर का सीधा एवं प्रत्यक्ष प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तित्व पर पड़ता है, क्योंकि व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास उसकी आंतरिक क्षमताओं के विकास तथा नवीनताओं को ग्रहण करके होता है, तो ऐसा माना जाता है कि इसमें पारिवारिक वातावरण का मुख्य योगदान है। परिवार की सामाजिक, आर्थिक स्थिति का बच्चे पर सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों प्रकार से प्रभाव पड़ता है जैसे यदि परिवार संकट में होता है तो बच्चे में सहनशीलता का गुण विकसित हो जाता है फिर वही बच्चा बड़ा होने पर धन जमा कर संतोष का अनुभव करता है लेकिन इन बच्चों में आत्महीनता का भावना का भी उदय हो जाता है जो उसके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालता है आता है। काले महोदय ने यूरोप के साहित्यकारों का अध्ययन कर पाया कि व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास स्वस्थ वातावरण में पालन पोषण से हुआ।

शोध की आवश्यकता

यदि शोध पत्र की आवश्यकता पर विचार किया जाए तो वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किशोर बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक आर्थिक स्तर के प्रभाव के अध्ययन हेतु शोध पत्र सार्थक हैं। वैसे तो बालक के व्यक्तित्व के निर्माण में उनके माता–पिता की शिक्षा, सोच, आदर्श मूल्य उनका व्यावहारिक, आर्थिक, सामाजिक वातावरण बच्चों के साथ उनके पारस्परिक संबंध उनके व्यक्तित्व संबंधी गुण उनका संवेगात्मक व्यवहार उनके सामाजिक व्यवहार रुचि अभिरुचि तथा चरित्र व उनके कर्तव्य व जिम्मेदारियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन प्रत्यक्ष रूप से बालक का पारिवारिक वातावरण और उसका सामाजिक आर्थिक स्तर ऐसे दो प्रमुख कारक हैं जो बालक के व्यक्तित्व की नीव है क्योंकि सकारात्मक पारिवारिक वातावरण और अच्छा सामाजिक आर्थिक स्तर किशोर को संतुष्ट सामाजिक मूल्यांकन, मूल्यात्मक, आदर्शवादी व सकारात्मक बनता है जबकि नकारात्मक पारिवारिक वातावरण किशोरों के भीतर नकारात्मक गुणों को विकसित करता है जो उनके व्यक्तित्व निर्माण में बाधक बनते हैं।

समस्या कथन

''किशोर एवं किशोरियों के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण का सामाजिक, आर्थिक स्तर के प्रभाव का समीक्षात्मक अध्ययन।''

शोध अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध में व्यवस्थित वस्तु नियोजित समीक्षा विधि का प्रयोग किया गया है जिसमें समीक्षाओं हेतु प्रकाशित वह प्रकाशित शोध पत्रों, लघु शोध प्रबंधों व शोध प्रबंध का प्रयोग किया गया है क्योंकि यह एक समीक्षात्मक शोध पत्र है इसीलिए इसमें समस्या से संबंधित चरों व उनका प्रभावित करने वाले कारकों की समीक्षाओं के आधार पर अन्वेषण करके निष्कर्ष प्राप्त किया गया है।

समीक्षात्मक अध्ययन एवं अन्वेषणः–

किशोर एवं किशोरियों के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण तथा सामाजिक आर्थिक स्तर के प्रभाव के अध्ययन हेतु प्रस्तुत समीक्षाएं :–

ऐषे चे मालिस (2024) ने पारिवारिक वातावरण व्यक्तित्व विकास और जीवन संतुष्टि पर अध्ययन किया और परिणाम स्वरूप पाया की भावनात्मक स्थिरता जीवन संतुष्टि का सबसे मुख्य भविष्यवक्ता है तथा नकारात्मक प्रभाव व्यक्तित्व शिथिलता के साथ मुख्य रूप से जुड़ा है। अर्थात व्यक्तित्व के लक्षणों के निर्माण में पत्रक संबंध एवं पारिवारिक वातावरण विशेष रूप से प्रभावशाली पाए गए जिससे जीवन संतुष्टि को प्रभावित किया जबकि व्यक्तिगत शीतलता के लक्षण तथा अभिभावकों के नियंत्रण की तुलना में माता–पिता की देखभाल से अधिक मजबूत सह संबंध दृष्टिबद्ध हुए।

याओ शक्सिन, मिक्सिया जू. व अन्य 2023 के पांच कारक व्यक्तिगत आयाम के में मेडिकल विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच माता–पिता की पेरेंटिंग शैली में अंतर तथा मध्यस्थ पर अध्ययन किया और पाया कि मानसिक स्वास्थ्य पर्सनैलिटी डिसऑर्डर्स, न्यूरोटिज्म, कर्तव्यनिष्ठा, सहमति और खुलेपन से जुड़ा था इसके अतिरिक्त यह भी पाया गया कि खराब मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक, उम, शारीरिक बीमारी, खराब माता–पिता के रिश्ते व अन्य जातीयता के साथ भी सकारात्मक रूप से जुड़ा है जिसे सकारात्मक व्यक्तिगत का निर्माण होता है।

3 लोन अयूब व अज्जम ओधमान व अन्य 2022 ने व्यक्तिगत लक्षण और पारिवारिक वातावरण व स्कूल जाने वाले सऊदी बच्चों में आकारात्मकता के विकास के प्रभाव पर अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि व्यक्तित्व के कर्तव्यनिष्ठा, सहमति और विकसित्ता कारक आक्रांत आक्रमाता से महत्वपूर्ण रूप से संबंधित है तथा पारिवारिक सामंजस्य अभिव्यक्ति संघर्ष इन बच्चों के बीच आक्रामक व्यवहार की महत्वपूर्ण रूप से भविष्यवाणी करते हैं।

4. अगायेवा गुने शरबत गिजी 2021 में पारिवारिक परिवार में रिश्ते और बच्चे के व्यक्तिगत व्यक्तित्व के निर्माण पर उनका प्रभाव देखा और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि स्वास्थ्य व्यक्तित्व के विकास में पारिवारिक रिश्तों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है अर्थात जो बच्चे आपात सम्मान प्रेम सहनशीलता पर आधारित रिश्तों में बड़े होते हैं उनका स्वास्थ्य व्यक्तित्व विकसित होता हैं

5. लेटो, इरीना वी 2021 ने बाल जीवन संतुष्ट की भविष्यवाणी में पारिवारिक वातावरण और व्यक्तित्व के बीच सहनशीलता का अध्ययन किया और परिणाम स्वरूप पाया कि आए माता–पिता का तनाव शारीरिक दंड विक्षेप्टा और बुद्धिमत्ता के व्यक्तित्व लक्षण महत्वपूर्ण रूप से बाल जीवन संतुष्ट से जुड़े हुए थे

6. नी जियाओली 2021 में युवा वयस्कों की जीवन संतुष्टि पर पारिवारिक वातावरण और व्यक्तित्व के प्रभाव की जांच की और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि पारिवारिक सामंजस्य का जीवन संतुष्टि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा जिससे ये सकारात्मक व्यक्तित्व निर्मित हुआ जबकि पारिवारिक संघर्ष का प्रभाव ौ नकारात्मक पड़ा तो नकारात्मक व्यक्तित्व का निर्माण हुआ।

7. अयूब, मोना 2020 में पर्यावरण परिस्थितियों और व्यक्तित्व विकास पर एक अध्ययन किया और परिणाम स्वरूप पाया कि व्यक्तित्व लक्षणों में पर्याप्त शिथिलता अनुवांशिक कारकों के अतिरिक्त पर्यावरणीय कारकों माता–पिता की सामाजिक आर्थिक स्थिति पालन पोषण के तरीके साथियों के साथ संबंध और कार्य अनुभव का भी अति महत्वपूर्ण भूमिका है।

8. पेस. य. और अन्य 2018 में व्यक्तित्व विकास और परिवार की भूमिका पर अध्ययन किया और व्यक्तिगत तथा भावना विनियमित के बीच संबंधों की जांच की और पाया की बचपन तथा किशोरावस्था के दौरान पारिवारिक अंतर क्रियाएं व्यस्तता के दौरान व्यक्तिगत विकारों के रूप में विकसित हो सकती हैं।

सामाजिक आर्थिक स्तर का व्यक्तित्व पर प्रभाव से संबंधित समीक्षाएं :–

9. सकुरा मात्समोतो 2024 में लोगों पर व्यक्ति कारक सामाजिक स्थिति और सामाजिक आर्थिक स्थिति के प्रभाव की समीक्षा पर एक अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि व्यक्ति परख सामाजिक–आर्थिक स्थिति लोगों के व्यक्तित्व आत्म धरना आत्मसम्मान, आत्मप्रभावकारिता, आत्मनियामक क्षमता तथा उनके शैक्षणिक प्रदर्शन से सकारात्मक रूप से से संबंधित पाई गई। अर्थात बच्चों की सामाजिक आर्थिक स्थिति कैसी भी क्यों ना हो अगर उसकी व्यक्ति परख सामाजिक आर्थिक स्थिति अच्छी है तो उसका शैक्षणिक प्रदर्शन भी अच्छा ही होगा वह बहुमुखी व्यक्तित्व के होंगे।

10. लियो, जिजिया 2023 में जीवन में अर्थ की भावना पर पारिवारिक वातावरण और सकारात्मक व्यक्तित्व के प्रभाव की खोज की और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि सकारात्मक पारिवारिक पारिवारिक बच्चों में अधिक सकारात्मक व्यक्तित्व का निर्माण करती है और सकारात्मक व्यक्तित्व जीवन में अर्थ पारिवारिक कारकों के प्रभाव की मध्यस्थता करता है तथा इसकी अतिरिक्त व्यक्तित्व और जीवन में आज सम्मान की भावना भी पर्सपेरी से संबंधित है।

11. चौहान, प्रदीप 2022 ने बेड स्टार के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व पर उनके सामाजिक आर्थिक स्तर संवेगात्मक बुद्धि और उनके मूल्यों के प्रभाव का अध्ययन कर इस निष्कर्ष पर पहुंचे की बेड स्तर पर अध्ययन रात वाले एवं विज्ञान वर्ग के निम्न मध्य एवं उच्च मूल्य वाले विद्यार्थियों के व्यक्तिगत व्यक्तित्व में सार्थक अंतर है इसके अतिरिक्त इसी स्तर पर अध्यनरत कला एवं विज्ञान वर्ग के निम्न मध्यम व उच्च मूल्य वाले पुरुष एवं महिला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में भी सार्थक अंतर पाया गया है।

12. सिंह अमरजीत 2022 ने किशोरावस्था के विभिन्न सामाजिक आर्थिक स्तर के बालक एवं बालिकाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया जिसमें शोधकर्ता ने निष्कासुर पाया कि उच्च मध्यम वह निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति वाले शहरी बालक व बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास में सार्थक अंतर है।

13. लुओ, जिंग बो झांग व अन्य 2022 ने वयस्क आवश्यकता और वृद्धावस्था के व्यक्तित्व विकास पर सामाजिक आर्थिक स्थिति के प्रभाव को देखा और पाया कि वह सट्टा सामाजिक आर्थिक स्तर और व्यक्तित्व लक्षणों के मध्य संबंध बढ़ाने के सामाजिक आर्थिक स्तर और उम्र के हिसाब से अलग–अलग पाए गए उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर और न्यूट्रिएंट्स के निम्न स्तर और बहुत बड़ी मूर्खता खुलेपन और कर्तव्य निष्ठा के उच्च स्तर और मध्य संबंध पाया गया अर्थ तथा अर्थात सामाजिक आर्थिक स्तर व्यक्तित्व लक्षणों के स्तर से व्यक्तिगत इंट्रो के लिए आंशिक रूप से जिम्मेदार माना गया है।

14. तरवाल, डा0 रेखा, उषा तिवारी व अन्य 2023 में कानून के खेल और गैर खेल छात्रों के व्यक्तिगत लक्षणों और सामाजिक आर्थिक स्थिति का संबंध देखा और पाया कि गैर खिलाड़ी व्यक्ति का व्यक्तित्व उनके परिवार की सामाजिक आर्थिक स्थिति से प्रभावित नहीं होता।

15. मल्होत्रा अशोक 2020 ने सामाजिक आर्थिक कर टाइप **ए** और टाइप की व्यक्तिगत व्यक्तित्व वाले छात्रों के बीच आकारात्मकता व्यवहार के विकास में योगदान देने वाले कारकों पर अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि टाइप ए द्वारा व्यक्त आक्रामकता के स्तर पर सामाजिक आर्थिक स्थिति का माध्यम प्रभाव पाया गया जबकि टाइप के व्यक्तित्व के सामाजिक आर्थिक स्तर के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया

16. खोबा, रवीन्द्र बी और डॉ राजकुमार 2019 में उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर पर निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के खिलाड़ियों के व्यक्तित्व संस्कार में सामाजिक दान व्यवहार के जरिए जानने का प्रयास किया और पाया कि सामाजिक आर्थिक स्थिति खिलाड़ियों के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर उनके बीच भावनाओं का विकास करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अर्थात उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर वाले खिलाड़ियों में निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर वाले खिलाड़ियों से उच्च स्तर की सामाजिकता पाई गई।

17. फॉस्ट एमिलिजा मायर 2015 ने बच्चों में सामाजिक आर्थिक स्थिति और व्यक्तित्व विकास पर अध्ययन किया और यह पता लगाने का प्रयास किया कि क्या परिवार की सामाजिक आर्थिक स्थिति बच्चों के व्यक्तित्व में परिवर्तन से जुड़ी है या नहीं और इसका स्वरूप पाया गया कि सामाजिक आर्थिक स्तर माता–पिता द्वारा बताए गए बच्चों के व्यक्तित्व के स्तर से जुड़ा है तथा कब मजबूती से व्यक्तित्व में बदलाव से भी जुड़ा है।

परिणामों की व्याख्या

1. **ऐषे चे मालिस** ने 2024 में अध्ययन के फलस्वरूप पाया कि व्यक्तित्व के लक्षणों के निर्माण में पत्रक संबंध और पारिवारिक वातावरण मुख्य रूप से प्रभावशाली हैं तथा भावनात्मक स्थिरता जीवन संतुष्टि का मुख्य भविष्य निर्धारक है।
2. **याओ शक्सिन, मिक्सिया जू. व अन्य** ने 2023 में अध्ययन के फल स्वरुप पाया कि सकारात्मक व्यक्तित्व व्यक्तित्व के पांच कारक मानसिक स्वास्थ्य पर्सनैलिटी डिसऑर्डर्स न्यूरोटिज्म कर्तव्य निष्ठा व सहमति एवं खुलापन पायरेटिंग शैली माता–पिता के रिश्ते व पारिवारिक वातावरण से मुख्य रूप से जुड़ा है।
3. **लोन अयूब व अज्जम ओधमान** ने 2022 में अध्ययन के परिणाम स्वरूप पाया की मुख्य व्यक्तित्व लक्षण कर्तव्य निष्ठा सहमति और मुख्यतः बच्चों के आक्रामक व्यवहार से जुड़े हैं जिसका निर्धारण पारिवारिक सामंजन से अभिव्यक्ति और संघर्ष करते हैं
4. **अगायेवा गुने शरबत गिजी** या वह उन्हीं का स्वास्थ्य व्यक्तित्व निर्मित होता है।
5. **लेटो, इरीना वी** ने 2021 में अध्ययन के पश्चात यह निष्कर्ष पाया कि आम माता–पिता का तनाव शारीरिक दंड विक्षिप्त तथा और बुद्धि मित्रता जैसे व्यक्तिगत लक्षण मुख्य रूप से बाल विकास बाल जीवन की संतुष्टि से जुड़े हैं।

6. **नी जियाओली** ने 2021 में अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि पारिवारिक सामान्य से का जीवन संतुष्टि पर सकारात्मक तथा पारिवारिक संघर्ष का जीवन संतुष्टि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा जिसके फल स्वरुप स्वस्थ व स्वस्थ व्यक्ति निर्मित हुआ।
7. **मोना अयूब** ने 2020 में अध्ययन के फलस्वरूप पाया कि व्यक्तित्व के लक्षणों के में भिन्नता का कारण पर्यावरणीय कारक भी है जिसमें शोककथा ने माता–पिता सामाजिक आर्थिक स्थिति पालन पोषण के तरीके साथियों के साथ संबंध औरकार्य अनुभव अ को मुख्य बताया है।
8. **पेस. य.** ने 2018 में अध्ययन किया और परिणाम स्वरूप पाया कि बालपन व किशोरावस्था के दौरान पारिवारिक अंतर क्रिया एवं माता–पिता का अलग–अलग व्यवहार व्यस्तता के दौरान व्यक्ति व्यक्तित्व लक्षणों का निर्धारण करते हैं।
9. **सकुरा मात्समोतो** ने 2024 में अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि व्यक्ति पारक सामाजिक आर्थिक स्थिति लोगों के व्यक्तित्व आत्मधारणा आत्मसम्मान आत्मा प्रभावकारिता और आत्म नियामकता क्षमता तथा उनके शैक्षणिक प्रदर्शन से सकारात्मक रूप से सा संबंधित है।
10. **लियो, जिजिया** ने 2023 में अध्ययन के फसलों पाया कि सकारात्मक पारिवारिक पारिवारिक बच्चों में सकारात्मक व्यक्ति का निर्माण करती है।
11. **प्रदीप चौहान** ने 2022 में अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि बेड स्तर पर अध्यनरत कला एवं विज्ञान वर्ग के निम्न मध्यम व उच्च मूल्य के पुरुष व महिला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में सार्थक अंतर है।
12. **अमरजीत सिंह** ने 2022 में अध्ययन के परिणाम स्वरूप पाया कि उच्च मध्यम व निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति वाले शहरी बालक व बालिकाओं के व्यक्तित्व के विकास में सार्थक अंतर है।
13. **लुओ, जिंग बो झांग** ने 2022 में अध्ययन किया और पाया कि सामाजिक आर्थिक स्तर व्यक्तिगत लक्षणों के स्तर में पाए जाने वाले व्यक्तिगत अंतर के लिए मुख्यतः जिम्मेदार हैं।
14. **तरवाल, डा0 रेखा, उषा तिवारी** ने 2022 में अध्ययन किया और पाया कि गैर खिलाड़ी व्यक्तित्व व्यक्ति का व्यक्तित्व उनके परिवार की सामाजिक आर्थिक स्थिति से प्रभावित नहीं होता जबकि खिलाड़ी व्यक्ति का व्यक्तित्व प्रभावित होता है।
15. **अशोक मल्होत्रा** ने 2020 में अध्ययन किया और निष्कासुर पाया कि टाइप ए द्वारा व्यक्त आक्रामकता के स्तर पर जो की व्यक्तित्व का एक कारण है सामाजिक आर्थिक स्थिति का माध्यम प्रभाव है जबकि टाइप की व्यक्तित्व के सामाजिक आर्थिक स्तर के बीच कोई संबंध नहीं है।
16. **खोबा, रवीन्द्र बी और डॉ राजकुमार** ने 2019 में अध्ययन के फलस्वरूप पाया कि उच्च सामाजिक स्तर वाले खिलाड़ियों में निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर वाले खिलाड़ियों से उच्च स्तर की सामाजिकता पाई गई जो व्यक्तित्व ट्रांसफर मिशन का एक मुख्य हिस्सा है।
17. **फॉस्ट एमिलिजा मायर** ने 2015 में एक अध्ययन किया और निष्कर्ष स्वरूप पाया कि सामाजिक आर्थिक स्तर माता–पिता द्वारा बताए गए बच्चों के व्यक्तित्व के स्तर से जुड़ा है

निष्कर्ष

मानव जीवन की प्रत्येक अवस्था में मानव के व्यक्तित्व के के एक–एक पहलू का विकास होता है जिससे उसकी पारिवारिक वातावरण व सामाजिक आर्थिक स्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, फिर चाहे बात शैक्षिक निष्पत्ति, समायोजन, अभिरुचि, संवेगात्मक, परिपक्वता, भावनात्मक स्थिरता, पारिवारिक सामान्य से सामाजिकता आत्मधरना, आत्मसम्मान, आत्मप्रभावकारिता, आत्मनियामक तक क्षमता की हो या फिर ..... तथा अलगाव, खुलापन, जीवन संतुष्ट की क्यों ना हो अर्थात किशोर जिन व्यक्तियों और परिस्थितियों के साथ संतुष्टि का अनुभव करते हैं उनके साथ अच्छे से समायोजित हो जाते हैं जिसमें पारिवारिक वातावरण मुख्य भूमिका निभाता है। व्यक्तित्व के मुख्यतः दो प्रकार का होता है जिसमें वह व्यक्ति हार्ड वर्क करते हैं, हमेशा जल्दबाजी में काम करते हैं, अपने तरीके से काम करते हैं, लोगों को अभिप्रेरित करते हैं, वह टाइप ए के अंतर्गत अंतर्मुखी होते हैं और जो उसके विपरीत होते हैं अर्थात बहुर्मुखी वह टाइप बी के अंतर्गत आते हैं जिसमें टाइप ए द्वारा व्यक्त आक्रामकता के स्तर पर सामाजिक आर्थिक स्तर का माध्यम प्रभाव पड़ता है तथा टाइप बी में की टाइप भी के व्यक्ति और सामाजिक आर्थिक स्थिति आपस में से संबंधित नहीं होती इसी प्रकार यदि खिलाड़ियों के व्यक्तित्व की बात की जाए तो गैर खिलाड़ी व्यक्तित्व के व्यक्ति होते हैं उन पर भी सामाजिक आर्थिक स्थिति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इस प्रकार यदि अध्ययन के अनुरूप देखा जाए तो जो इ.मक स्तर पर विभिन्न अध्यनरत है उनके व्यक्तिगत में भी अंतर है यदि बच्चों की जीवन संतुष्टि पर विचार किया जाए तो इसी पर माता–पिता के आपसी रिश्ते सब शारीरिक दंड, बुद्धिमत्ता, विकसित्ता, संघर्ष का भी बहुत महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है क्योंकि यदि बच्चों में किशोर जीवन में संतुष्ट हैं और सकारात्मक व्यक्तित्व को निर्माण करेंगे अन्यथा नकारात्मक अतः उपयुक्त शोध पत्रों के अन्वेषण के आधार पर यह निष्कर्ष

निकलता है कि किशोर बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व पर पारिवारिक वातावरण व सामाजिक आर्थिक स्तर का गहरा प्रभाव पड़ता है।

CONFLICT OF INTERESTS

None.

ACKNOWLEDGMENTS

None.

REFERENCES

Ashay Che Malis 2024 Family Environment Study on Personality Development and Life Satisfaction Dissertation St. John's University Jamaica New York St. John's Scholarship A Digital Report Repository at St. John's University.

Yao Shuxin, Mixia Xu. et al. 2023 Five Factor Personality Dimensions Mediate the Relationship Between Parental Parenting Style Differences and Mental Health Among Medical College Students International Channel of Environmental Research and Public Health Example or SMSL 5 Factor Personality and http Administration 10 March 2023

Lone Ayub and Azzam Odhaman et al. 2022 Personality Traits and Family Environment Child Aggression Brain Science 2022

Agayeva Gunay Sharbat Gizi 2021 Relationships in the family and their influence on the formation of the child's individual personality International Journal of Innovative Technologies in the Economy

Leto, Irina V. Interaction between Family Environment and Individual in Predicting Child Life Satisfaction Child Iterators Research Springer ISEE Volume 14 Page 1345 10-13 August 2021

Ni Xiaoli Xiaoran et al. 2021 Personality as a Mediator The Influence of Family Environment on Life Satisfaction Among Youth Systems Review of Children and Youth Services Volume 120 January 2021

Ayub Mona and Brand W. Roberts 2020 Environmental conditions and personality development Springer Link First Online January 2020

Pace. Y. Personality 2018 Personality Development and the Role of Family Segpur Service Handbook of Personality and Individual Differences Personality Differences and Origins Pages 146-163

Sakura Matsumoto 2024 Review of the Influence of Individual Social Status and Socioeconomic Status on People Education Humanities and Social Sciences General Volume 26 2024

Leo, Jijia 2023 Exploring the Influence of Family Environment and Positive Personality on Sense of Meaning in Life Education Humanities and Social Sciences General Volume 8 2023

Chauhan Pradeep 2022 Study of the Influence of Values, Socioeconomic Status and Emotional Intelligence on the Personality of Bed Star Students A thesis submitted for the degree of PhD in Pedagogy Nehru Gram Bharati Manit University Kotwa Prayagraj

Singh Amarjeet 2022 Comparative Study of the Personality of Adolescent Boys and Girls of Different Socioeconomic Status A thesis submitted for the degree of PhD in Pedagogy under Education Number Awadhesh Pratap Singh University Rewa Madhya Pradesh. 13. Luo, Jing Bo Zhang et al 2022 Prevalence and influence of socioeconomic status on personal development of old age GPRS GMC 92

Tarwal, Dr. Rekha, Usha Tiwari et al 2022 Relation of personality traits and socioeconomic status of sports and non-sports students of law International Journal of Economic Perspective IS Volume 1 2022

Malhotra Ashok 2020 Socioeconomic factors contributing to the development of aggression behaviour among students with type 1 and type 2 personality International Journal of Indian Psychology Volume 8 Issue 2 ISSN 23493423

Khoba, Ravindra B and Dr Rajkumar 2019 A study on the influence of socioeconomic status on personality traits of sportspersons International Journal of Yoga Human Movement and Sports Sciences for One ISSN 24364419

Faust Emilija Mayer and Star Watson 2015 Socioeconomic status and personality in children Department of Development Education and Psychology & Prakal Research Education, Economic Status and Personality Development in Children.